केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं० B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 162 रविवार 5 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में आगामी महाकुंभ को लेकर तैयारियां जोरों पर है। इसी सिलसिले में पुलिस विभाग ने एक बड़ा फैसला लिया है। विभाग ने आदेश जारी करते हुए महाकुंभ 2025 के आयोजन तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियों पर रोक लगा दी है। हालांकि विशेष परिस्थियों में अवकाश मिल सकता है।

### चोरी बोलेरो बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के सोनहा कस्बे से पिछले 22 दिसंबर को दुकान के सामने खड़ी चोरी हुई बोलेरो को पुलिस ने आंबेडकरनगर जनपद के इब्राहिमपुर थाने से बरामद किया है। इब्राहिमपुर पुलिस ने चार चोरों को पकड़कर जेल भेजा। प्रभारी निरीक्षक मोतीचंद राजभर ने बताया कि सूचना पर उ.नि. सत्यपाल चौधरी व हेड कास्टेबल वीरेंद्र यादव बोलेरो को बरामद कर देर शाम सोनहा थाने लाए। करमहिया गांव निवासी दीनानाथ पांडेय बस्ती डुमरियागंज मार्ग पर सोनहा कस्बे में मकान बनाकर बक्से व आलमारी की दुकान खोल रखे हैं। 22 दिसंबर 2024 की रात में वे अपनी बोलेरो गाड़ी दुकान के सामने खड़ी करके सोने चले गए। सुबह तक उनकी बोलेरो चोरी हो गई थी।

### मंदिर के पुजारी को मारने पीटने के मामले में दो दोषी करार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्राम न्यायालय हर्रैया न्यायाधिकारी अखिल कुमार की अदालत ने हर्रैया थानाक्षेत्र में छह साल पूर्व मंदिर के पुजारी को मारने पीटने के मामले में दो आरोपियों को दोषी ठहराया है। दोनों पर एक हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड नहीं अदा करने पर पांच दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास सजा भुगतना पड़ेगा। अभियोजन कथानक अनुसार हर्रैया थानाक्षेत्र लबदहिया गांव मंदिर पुजारी दयाराम दास को 23 अगस्त को 2019 को रात्रि साढ़े नौ बजे लबदहिया गांव के धर्मराज पुत्र रामकेवल और हृदयराम पुत्र राममिलन मंदिर में जबरदस्ती घुसने लगे। पुजारी के मना करने पर आरोपियों ने उन्हें मारपीट कर घायल कर दिया। पुजारी सिर, पैर और सीने में काफी चोटें आईं। हर्रैया पुलिस ने पीड़ित पुजारी तहरीर पर दोनों विरुद्ध मारपीट का केस पंजीकृत कर लिया। पुलिस ने आरोप–पत्र अदालत में दाखिल किया। अदालत ने दोनों पक्षों दलीलें सुनने बाद दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। उनके ऊपर एक हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड नहीं अदा करने पर पांच दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास सजा भुगतना पड़ेगा।

### ठंड से ठिठुरी जिन्दगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ठंड लगातार बढ़ रही है। खासतौर से गलनभरी सुबह सबसे अधिक परेशान कर रही है। इसका असर सुबह के वक्त मार्निंक वाक पर जाने वालों की संख्या पर भी नजर आ रहा है। सर्द हवाओं के चलने से ठिठुरन बढ़ने से डॉक्टर भी उम्रदराज लोगों को मार्निंग वाक के वक्त विशेष सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। शनिवार की सुबह कड़ाकेदार ठंड के कारण ही सड़कों पर चहल–पहल भी काफी कम नजर आई। स्कूलों में छुट्टी होने के कारण भी चहल–पहल घटी है। ठंड के कारण छुट्टी होने के बाद भी सुबह के वक्त कॉलोनियों के पार्क में बच्चे खेलने भी नहीं आ रहे हैं। दिन में हल्की धूप निकलने के बाद ही उनकी चहलकदमी बढ़ रही है। शनिवार को भी सुबह साढ़े दस बजे हल्की धूप नजर आने लगी। लेकिन बर्फीली हवाओं के चलने के साथ शुरू हुई गलन बरकरार है।

# खाई में गिरा सेना का ट्रक तीन जवानों की मौत: 2 गंभीर

श्रीनगर (आभा)। जम्मू–कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना के जवानों को लेकर जा रहा एक आर्मी का ट्रक हादसे का शिकार हो गया। ट्रक ऊंची पहाड़ी से नीचे गहरी खाई में गिर गया, जिसके बाद तीन जवानों की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य घायल हैं। यह घटना बांदीपोरा जिले के वुलर व्यूपाइंट के पास हुई है। बांदीपोरा के जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ मसरत इकबाल वानी ने कहा, 'पांच घायलों को यहां लाया गया था, जिनमें से दो की पहले ही मौत हो चुकी थी। अन्य घायलों की हालत गंभीर थी जिन्हें आगे के इलाज के लिए श्रीनगर रेफर किया गया है।इसके बाद, बाद में एक और घायल जवान की मौत हो गई। इस दुर्घटना में अब तक तीन जवानों की मौत हो चुकी है।

यह हादसा तब हुआ, जब एक मोड़ पर ट्रक को मोड़ने की कोशिश करते समय ट्रक के ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। इसके बाद ट्रक पहाड़ी से सीधा नीचे खाई में जा गिरा। दुर्घटना के तुरंत बाद जवानों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तीन की जान नहीं बचाई जा सकी। वहीं, दो का इलाज अस्पताल में चल रहा है। सैनिकों को गंभीर चोटें आई हैं।पिछले साल 24 दिसंबर को भी जम्मू–कश्मीर में सेना की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पुंछ जिले में सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर 300 फीट गहरी खाई में गिर गया था, जिससे पांच सैनिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

## गुजरात के कच्छ में फिर आया भूकंप

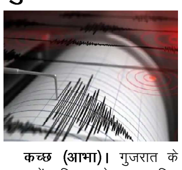

कच्छ (आभा)। गुजरात के कच्छ में शनिवार को एकबार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र कच्छ के दुधई के पास बताया जाता है। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.8 मापी गई। भूकंप शाम को करीब 4रू37 बजे आया। गुजरात में बीते चार दिनों के दौरान यह दूसरी बार है जब भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। बीते पहली जनवरी को भी कच्छ जिले में ही भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

गुजरात के कच्छ जिले में ही पहली जनवरी बुधवार को सुबह के वक्त एक भूकंप आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 मापी गई थी। भूकंप अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, भूकंप के झटके सुबह 10 बजकर 24 मिनट पर दर्ज किए गए थे। इसका एपीसेंटर भचाऊ से 23 किलोमीटर उत्तर–उत्तर पूर्व में स्थित था।

## चक मार्ग पर जबरिया मकान निर्माण रोकने की मांग:डीएम को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के कोरियाडीह निवासिनी रेशमा पत्नी वासुदेव ने शनिवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को पत्र देकर चक मार्ग पर जबरिया किये जा रहे स्थायी निर्माण को रोके जाने की मांग किया।

जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र में कहा गया है कि गाटा संख्या 74 चक मार्ग में हृदयराम पुत्र राम चरन द्वारा स्थाई मकान का निर्माण कराया जा रहा है। इससे सार्वजनिक रास्ता बंद हो जायेगा और आवागमन में असुविधा होगी। मांग किया कि पैमाइश और जांच कराकर स्थाई मकान का निर्माण रोका जाय। हृदयराम से चक मार्ग पर स्थायी मकान निर्माण कराने से रोका गया तो वह धमकियां देने लगा। मांग किया कि इस निर्माण को तत्काल प्रभाव से रोकवाया जाय।

## स्वास्थ्य शिविर में 70 मरीजो का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में शनिवार को शांती कमल हेल्थ केयर पॉउडेशन द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे 70 मरोजो की जांच कर दवा उपलब्ध कराया गया।

स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, डा० शशि व डा वेद प्रकाश पाण्डेय ने फीता काट कर किया। लोगों को संबोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से क्षेत्र के लोगों को योग्य चिकित्सको द्वारा जांच व दवा मिल जाता है। स्वास्थ्य केंद्रो पर प्राथमिक उपचार ही मुहैया हो पाता है। ब्लाक प्रमुख ने शुगर व ब्लड प्रेशर का जांच कराया। परिसर में लगे स्टालों का भी निरीक्षण किया। डा वेद प्रकाश पाण्डेय ने आए हुए अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में ओमकार चौधरी, ब्रिज किशोर तिवारी, डा आर के पांडेय, डा संदीप चौधरी, डा ह्यूम, ओमप्रकाश, विजय कुमार, सुनील कुमार, गुड्डू चौधरी, रामप्रकाश चौधरी, आदित्य, विक्रम पाल, राजकुमार, हरीश श्रीवास्तव आदि ने योगदान दिया।

## पद यात्रा संयोजक बने कांग्रेस नेता रामभवन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । अखिल भारतीय किसान कांग्रेस की ओर से किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय चेयरमैन सुखपाल सिंह खैहरा के निर्देशन में उ.प्र. कांग्रेस के साथ मिलकर किसान मजदूर सम्मान न्याय पद यात्रा निकाली जायेगी। यात्रा को सफल बनाने के लिये वरिष्ठ कांग्रेसी एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक रामभवन शुक्ल को बस्ती जनपद का संयोजक तथा देवीपाटन मंडल का समन्वयक नियुक्त किया गया है।

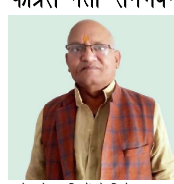

किसान नेता ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकारें किसानों की समस्या को लेकर बिलकुल गंभीर नही है। जो किसान धरती का सीना चीरकर 140 करोड़ देशवासियों के लिये अन्न उगा सकता है वह वक्त आने पर अपने अधिकारों के लिये जान की बाजी भी लगा सकता है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक जननायक के रूप में देश की आवाज बन चुके हैं। कांग्रेस नेता ने कहा पदयात्रा से किसानों की समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा।

# पल्लवी और आशीष पटेल मामले पर बोले अजय राय–मंत्री ने भ्रष्टाचार किया है तो उन्हें बर्खास्त करें मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (आभा)। यूपी सरकार के मंत्री आशीष पटेल और सपा विधायक पल्लवी पटेल के विवाद के बीच अब कांग्रेस ने भी एंट्री ले ली। दोनों नेताओं के बीच भ्रष्टाचार को लेकर छिड़ी जंग में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी कूद पड़े। अजय राय ने कहा कि मंत्री आशीष पटेल ने अगर भ्रष्टाचार किया है तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यना को उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे आशीष पटेल एसटीएफ से भी खतरा बता रहे हैं, इस पर अजय राय ने योगी सरकार पर प्रतिहित करने का आरोप भी लगाया।

आशीष पटेल और अनुप्रिया पटेल का नाम लेते हुए अजय राय ने कहा, अगर उनमें जरा सा भी स्वाभिमान हो तो उन्हें तुरंत भाजपा सरकार को छोड़ देना चाहिए। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान अजय राय ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जबसे योगी आदित्यनाथ की

सरकार आई है, नीचे से लेकर ऊपर तक बहुत बडेध पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रखा है। इससे बड़ा सबूत और क्या हो सकता है कि मंत्री आशीष पटेल की रिश्तेदार और विधायक पल्लवी पटेल ने ही उनके ऊपर तमाम तरह के आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा, पल्लवी पटेल ने आशीष पटेल के ऊपर लगाए गए आरोपों की जांच की मांग भी की है लेकिन सीएम योगी ना तो उनकी जांच कराने को तैयार हैं और ना ही मंत्री को बर्खास्त कर पा रहे हैं। जबकि मंत्री ने सीधे–सीधे एसटीएफ से खुद की जान का खतरा बता चुके हैं। अजय राय ने आगे कहा, मंत्री आशीष पटेल यदि ईमानदार हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है तो उन्हें हिम्मत दिखानी चाहिए और तत्काल इस्तीफा देकर अपने आत्मसम्मान की रक्षा कर लेनी चाहिए। यदि वह ऐसा करते हैं तो कांग्रेस उनका स्वागत करेगी।

यूपी सरकार पर हमलावर हुए अजय राय ने कहा, 'जल जीवन मिशन' में भी करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा, केन्द्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना के तहत यूपी में 31 हजार 3 सौ 3 करोड़ के घोटाले की एक जनहित याचिका हाई कोर्ट लखनऊ खंडपीठ में दायर की गई है। याचिका में यह आरोप लगाया गया है कि जलजीवन मिशन के तहत नियम कानून को ताक पर रखकर हजारों करोड़ की बंदरबांट हुई है। अजय राय ने कहा कि धार्मिक मुद्दों को उठाकर सत्ता में आई भाजपा सरकार के राज में भ्रष्टाचार से धर्म भी अछूता नहीं रहा है। राम मंदिर से शुरू हुआ भ्रष्टाचार बनारस काशी कॉरिडोर होते हुए कुंभ मेले में भी पहुंच गया है। इन सभी जगहों पर सारे ठेके गुजरातियों को दिए गए हैं जो कि पूरी तरह से भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं, जो लोग आजादी के पहले से कुंभ का कार्य करते थे वह आज पेटी ठेकेदारों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

## किसान संकट सुलझाने वाली समिति ने खर्च कर डाले 5 करोड़

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से ढाई–ढाई करोड़ रुपये की मांग की है। हरियाणा सरकार ने इस राशि को मंजूरी दे दी है, लेकिन पंजाब सरकार ने अभी तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। इस समिति को शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों के आंदोलन और कृषि संकट का समाधान निकालने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि यह मामला

मुख्यमंत्री भगवंत मान के कार्यालय में भेजा गया है। अधिकारी ने कहा, 2.5 करोड़ रुपये की राशि काफी बड़ी है। इस पर विभागीय स्तर पर निर्णय नहीं लिया जा सकता। इसे मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। हालांकि, सवाल यह है कि समिति इतनी बड़ी राशि का क्या करेगी?

2 सितंबर, 2024 को गठित इस समिति की अध्यक्षता पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश नवाब सिंह कर रहे हैं। अन्य सदस्यों में सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी बीएस संधू, कृषि विशेषज्ञ देविंदर शर्मा, अर्थशास्त्री प्रोफेसर रंजीत सिंह घुम्मन और पंजाब राज्य किसान व कृषि श्रमिक आयोग के अध्यक्ष सुखपाल सिंह शामिल हैं। समिति फिलहाल हरियाणा के पंचकुला स्थित पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह से संचालित हो रही है और बैठकें चंडीगढ़ के पंजाब किसान भवन और हरियाणा निवास में होती हैं।

## सम्पूर्ण समाधान दिवस में 9 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनता की समस्याओं का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण संभव हो सके इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन विधायक हर्रैया अजय सिंह एवं जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में तहसील हर्रैया के सभागार में किया गया। जिलाधिकारी ने समस्याओं को बहुत ही गंभीरता के साथ सुनने के उपरांत मौके पर ही उनका निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी फरियादी समस्या के समाधान के उद्देश्य से ही सरकारी कार्यालयों में आता है, इसलिए जनता की समस्या का समाधान करना हम सबके लिए सर्वोपरि है। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि भूमि विवाद सम्बंधित जन शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा जिन

शिकायतों का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका है, संबंधित विभाग के अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर शिकायतों का गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जन–शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में समय व गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने प्रार्थना पत्रों की सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि विभाग से संबंधित शिकायतों को गम्भीरता से सुने व त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 76 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 9 शिकायतों का जिलाधिकारी के माध्यम से मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व के 32, विकास के 09, पुलिस के 14, गन्ना के 08, विद्युत के 05, पूर्ति के 02 तथा अन्य के 06 प्रार्थना पत्र है।

संपूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डॉ. आर.एस. दुबे, जिला विकास अधिकारी अजय सिंह, उपजिलाधिकारी विनोद पांडेय, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, डीपीआरओ रतन कुमार, डीएसओ सत्यवीर सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय आधिकारीगण उपस्थित रहें।

## कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापनः दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर 26 दिसम्बर को झांसी में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के नेतृत्व में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर सरकारी खरीद केंद्र पर किसानों की मूँगफली खरीदे जाने व कमीशनखोरों पर कार्यवाही की मांग करने वाले दर्जनों कांग्रेसियों तथा मूंगफली किसानों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग की गई।

कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' के नेतृत्व में कांग्रेसी शास्त्री चौक पर इकट्ठा हुये। यहां से प्रदर्शन करते हुये कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां स्थानीय प्रशासन को राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस नेता ने कहा झांसी में मूंगफली किसानों से खरीद कराने के नाम पर 1400 से 1600 रुपए की वसूली की जा रही है। आक्रोशित किसान भोजला मण्डी से अपनी मूँगफली से लदी ट्रेक्टर ट्रालियां लेकर जिलाधिकारी को अपनी पीड़ा सुनाने पहुंचे थे। जिलाधिकारी के सामने प्रदीप जैन आदित्य ने किसानों की

समस्या को रखा। किसानों की समस्या को गम्भीरता के साथ लेते हुये जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को किसानों की मूँगफली की खरीद कराने ट्रालियों के साथ भोजला मण्डी भेजा।

इसके बाद पुलिस ने वहां तैनात होमगार्ड की तहरीर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य सहित 50 लोगों के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। यह किसानों की आवाज को दबाने की साजिश है। इसे किसी कीमत पर कांग्रेस बर्दाश्त नही करेगी। ज्ञापन सौंपने वालो में पूर्व विधायक अंबिका सिंह, देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार भारती, प्रवक्ता मो. रफीक खां, मो. अशरफ अली, डा. वाहिद सिद्धीकी, विन्द्र सिंह राजन, अमित सिंह, अलीम अख्तर, शौकत अली, लालजीत पहलवान, बृजेश पाण्डेय, सर्वेश शुक्ल, सुनील पाण्डेय, रामबचन भारती, इजहार अहमद, गिरजेश पाल, डा. मारूफ अली, सद्दाम हुसेन, अतीउल्लाह सिद्धीकी, जगदीश शर्मा, एडवोकेट आशुतोष पाण्डेय, विश्वजीत, जगदीश शर्मा, गुड्डू सोनकर, विनय तिवारी, कृष्ण कुमार, लक्ष्मी यादव, डीएन शास्त्री, कौशल त्रिपाठी, सोमनाथ सन्त, शब्बीर अहमद आदि मौजूद रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 जनवरी 2025 रविवार

## सम्पादकीय

# किसान और सरकार

भारतीय किसान गरीब है। उनकी गरीबी पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। किसान को दो वक्त का खाना भी नसीब नहीं हो पाता। उन्हें मोटे कपड़े का एक टुकड़ा नसीब नही हो पाता है। वह अपने बच्चों को शिक्षा भी नहीं दे पाते। वह अपने बेटे और बेटियों को अच्छी पोशाक तक खरीद कर नहीं दे पाते। वह अपनी पत्नी को गहने पहनने का सुख नहीं दे पाते। किसान की पत्नी कपड़े के कुछ टुकड़े के साथ प्रबंधित करने के लिए है। वह भी घर पर और क्षेत्र में काम करती है। वह गौशाला साफ करती, गाय के गोबर बनाकर दिवारो पर चिपकाती और उन्हें धूप में सूखाती। वह गीले मानसून के महीनों के दौरान ईंधन के रूप में उपयोग होता। भारतीय किसान को गांव के दलालों द्वारा परेशान किया जाता है। वह साहूकार और कर संग्राहकों से परेशान रहते इसलिए वह अपने ही उपज का आनंद नहीं कर पाते हैं। भारतीय किसान के पास उपयुक्त निवास करने के लिए घर नहीं होता। वह भूसे फूस की झोपड़ी में रहते है। उसका कमरा बहुत छोटा है और डार होता। जबकी बड़े किसानों का बहुत सुधार हुआ है, छोटे भूमिधारकों और सीमांत किसानों की हालत अब भी संतोषजनक से भी कम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिर से दोहराया कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसानों को राहत प्रदान करते हुए डीएपी उर्वरक के लिए विशेष पैकेज को 3,850 करोड़ रुपये बढ़ा दिया है। यूरिया के बाद डीएपी भारत में दूसरा सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उर्वरक है। किसान आमतौर पर इस उर्वरक का प्रयोग बुवाई से ठीक पहले या शुरुआत में ही करते हैं, क्योंकि इसमें फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है जो जड़ के विकास में वृद्धि करता है। यह यूरिया के समान है, जो उनका पसंदीदा नाइट्रोजन युक्त उर्वरक है, जिसमें 46 प्रतिशत नाइट्रोजन होता है।

गौरतलब है कि सरकार ने एक अप्रैल से 31 दिसंबर, 2024 तक के लिए 3,500 रुपये प्रति टन के हिसाब से डीएपी पर 2,625 करोड़ रुपये का एकबारगी विशेष पैकेज देने की घोषणा की थी। यह पैकेज गैर—यूरिया पोषक तत्वों पर सरकार की तरफ से तय पोषक तत्व—आधारित सब्सिडी (एनबीएस) के अतिरिक्त था। चूंकि भू—राजनीतिक चिंताओं के कारण डीएपी की वैश्विक बाजार कीमतें अस्थिर हैं।

सरकार की ओर से दावा किया गया है किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इस दृष्टि से सरकार ने किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए डीएपी उर्वरक की कीमत अपरिवर्तित रखते हुए किसानों को बड़ी राहत दी है। उर्वरकों की कीमतों को नियंत्रित करने में शामिल जटिलताओं के साथ, सरकार गैर—सब्सिडी वाले उर्वरकों के लिए बाजार का विस्तार करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है।

केंद्र सरकार उर्वरक निर्माताओंध्आयातकों के जरिए किसानों को सब्सिडी मूल्य पर 28 तरह के पीएंडके उर्वरक मुहैया कराती है। इन उर्वरकों पर सब्सिडी का निर्धारण एनबीएस योजना के तहत होता है। एनबीएस योजना के अंतर्गत सब्सिडी प्राप्त पीएंडके उर्वरकों पर डीएपी सहित उनमें निहित पोषक—तत्व के आधार पर सब्सिडी प्रदान की जाती है। किसानों के लिए सब्सिडी दर पर उर्वरक प्राप्त करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है ताकि मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखा जा सके।

एनबीएस के अंतर्गत, उर्वरक कंपनियों द्वारा बाजार की गतिशीलता के अनुसार उचित स्तर पर अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी  तय की जाती है जिसकी निगरानी सरकार द्वारा की जाती है। आर्थिक बोझ सहन कर विशेष पैकेज जारी करने के पीछे सरकार की राजनीतिक मजबूरियों की अनदेखी भी नहीं की जा सकती। कहा जा सकता है कि सरकार ने किसानों के विरोध प्रदर्शन के फिर से जोर पकड़ने की संभावना के मद्देनजर यह फैसला किया है। परंतु किसानों को राहत पहुंचाकर सरकार ने किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करके किसान—हितैषी दृष्टिकोण की प्रतिबद्धता बनाए रखी है।

# न्याय, समानता और मानवाधिकारों के यक्ष प्रश्न

**—गजेन्द्र सिंह—**

इन दिनों बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार हो रही हिंसा और उनकी तेजी से घटती जनसंख्या हमें दक्षिण एशिया में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के व्यापक प्रभावों पर गंभीरता से विचार करने और कार्रवाई करने के लिए मजबूर करती है। यह स्थिति बलपूर्वक किए गए कदमों या प्रणालीगत उपेक्षा के कारण उत्पन्न हुई हो सकती है। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में बदलती जनसांख्यिकी न केवल हिन्दू, सिख, बौद्ध और इसे ईसाई समुदाय की अल्पसंख्यक आबादी में भारी गिरावट को दर्शाती है बल्कि यह दक्षिण एशिया में धार्मिक सहिष्णुता, सांस्कृतिक विविधता और मानवाधिकारों के उल्लंघन को भी उजागर करती है। इन देशों में राजनीतिक अस्थिरता, धार्मिक उत्पीड़न और अल्पसंख्यकों को हाशिए पर रखने की प्रणाली ने न केवल इन देशों की आंतरिक स्थिति को प्रभावित किया है बल्कि भारत जैसे देशों के लिए भी नई चुनौतियां प्रस्तुत की हैं।

1947 में दक्षिण एशिया के विभाजन ने जनसांख्यिकी और भू—राजनीति में एक भूकंपीय बदलाव को चिह्नित किया। पाकिस्तान का गठन मुसलमानों के लिए एक अलग मातृभूमि के रूप में किया गया था लेकिन इसके निर्माण के समय अल्पसंख्यकों में इसकी आबादी का लगभग 23: हिस्सा था । इसमें हिंदू, सिख और ईसाई शामिल थे जो इस क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के अभिन्न अंग थे । 2023 की जनसँख्या के अनुसार कुल आबादी में हिन्दुओं की हिस्सेदारी 1.61, ईसाइयों की हिस्सेदारी 1.37 प्रतिशत रह गई है। वही सिख समुदाय की जनसंख्या मात्र 15,998 और पारसी समुदाय की 2,348 थी । इसी तरह पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में हिंदुओं का 1971 में आबादी का लगभग 13: हिस्सा था जब राष्ट्र ने स्वतंत्रता प्राप्त की, आज घटकर 8: से भी कम हो गई है । अफगानिस्तान, जो हिंदुओं और सिखों सहित अपनी विविध आबादी के लिए जाना जाता था जिनकी संख्या 20वीं शताब्दी की शुरुआत में 2,00,000 से अधिक थी । लंबे समय तक चले संघर्ष और तालिबान के पुनरुत्थान ने इन अल्पसंख्यक समुदायों को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया है। आज उनकी आबादी कुछ सौ परिवारों तक ही सीमित हो गई है।

राजनीतिक उथल—पुथल ने अल्पसंख्यकों की दुर्दशा को और बढ़ा दिया है। पूर्वी पाकिस्तान में 1971 के युद्ध में हिंदुओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर अत्याचार हुए। इसी तरह, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में इस्लामी कट्टरपंथ के उदय ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हाशिए पर डाल दिया है। अफगानिस्तान में 1990 के दशक और 2021 के बाद तालिबान के शासन ने गैर—मुस्लिम समुदायों के खिलाफ भेदभाव को संस्थागत बना दिया है।

जैसे—जैसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ उत्पीड़न और हिंसा बढ़ी, कई लोगों ने सुरक्षित क्षेत्रों में शरण ली, भारत अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के कारण एक प्राथमिक गंतव्य के रूप में उभरा हालाँकि, इस प्रवास ने भारत के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा की हैं जिससे इसके संसाधनों पर दबाव पड़ा है और सामाजिक—राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है। कई प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं ने इस जनसांख्यिकीय बदलाव को आकार दिया है। 1947 के विभाजन के कारण बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक हिंसा हुई, जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोगों का पलायन हुआ और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक आबादी में कमी आई। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पूर्वी पाकिस्तान में हिंदू आबादी को लक्षित हिंसा का सामना करना पड़ा जिसने कई लोगों को भारत भागने के लिए मजबूर कर दिया। 1990 के दशक में, अफगानिस्तान में तालिबान के उदय ने हिंदुओं और सिखों के खिलाफ अत्यधिक उत्पीड़न शुरू कर दिया जिससे बड़े पैमाने पर पलायन हुआ। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक लड़कियों का अपहरण, बांग्लादेश में मंदिरों पर हमले और तालिबान द्वारा सख्त शरिया कानून लागू करने जैसी हाल की घटनाएं इन समुदायों के लिए खतरा बनी हुई हैं।

विस्थापित अल्पसंख्यकों के लिए एक शरण के रूप में भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शरणार्थी संकट ने पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों पर महत्वपूर्ण दबाव डाला है, जो बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करते हैं। इसके अलावा, पड़ोसी देशों में अस्थिरता ने सीमा पार सुरक्षा खतरों को बढ़ा दिया है जिसमें अवैध प्रवास और चरमपंथी तत्वों की घुसपैठ शामिल है। इन देशों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए भारत की वकालत ने भी अपने राजनयिक संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है, विशेष रूप से नागरिकता संशोधन अधिनियम के विवाद के साथ । इसके अलावा, भारतीय समाज में शरणार्थियों और प्रवासियों का एकीकरण सांस्कृतिक सद्भाव को बनाए रखने और संसाधन आवंटन के प्रबंधन में चुनौतियां प्रस्तुत करता है।

पड़ोसी देशों में बदलती जनसांख्यिकी भी कार्रवाई की मांग करती है। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में क्षेत्रीय सरकारों को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों को बनाए रखना चाहिए और अपने अल्पसंख्यकों को भेदभाव और हिंसा से बचाना चाहिए। उन्हें शैक्षिक और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा देना चाहिए जो अंतरधार्मिक संवाद को बढ़ावा देते हैं और असहिष्णुता को कायम रखने वाले पाठ्यक्रम को संशोधित करते हैं। न्याय प्रणाली में विश्वास बहाल करने के लिए अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। दूसरी ओर भारत को सीमा सुरक्षा को मजबूत करते हुए प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को मानवीय सहायता प्रदान करना जारी रखना चाहिए । भारत अल्पसंख्यकों के अधिकारों की वकालत करने और सामूहिक कार्रवाई के लिए दक्षेस जैसे क्षेत्रीय मंचों का भी उपयोग कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। मानवाधिकारों के उल्लंघन में शामिल व्यक्तियों या संस्थाओं पर प्रतिबंधों के साथ अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा के लिए इन देशों पर राजनयिक दबाव डाला जाना चाहिए। इन देशों में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार की निगरानी के लिए संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वतंत्र निगरानी तंत्र स्थापित किए जाने चाहिए।

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिन्दू, सिख, बौद्ध और ईसाई समुदाय की अल्पसंख्यक आबादी की दुर्दशा केवल एक क्षेत्रीय मुद्दा नहीं है बल्कि एक वैश्विक मुद्दा है, जो न्याय, समानता और मानवाधिकारों के सिद्धांतों को बनाए रखने में विफलता को उजागर करता है। धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता अमूल्य है, जो समाज को समृद्ध करती है और समझ को बढ़ावा देती है। दक्षिण एशिया में इन मूल्यों का क्षरण तत्काल और सामूहिक कार्रवाई का आह्वान है। हमें भाईचारे का एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए जहां अल्पसंख्यक सुरक्षित, सम्मानित और मूल्यवान महसूस करें।

अंत में, इन देशों में बदलती जनसांख्यिकी धार्मिक असहिष्णुता और प्रणालीगत उपेक्षा की चुनौतियों को रेखांकित करती है जबकि भारत मानवीय और भू—राजनीतिक दोनों चुनौतियों का सामना कर रहा है, इन समुदायों की रक्षा करने की जिम्मेदारी केवल एक राष्ट्र की नहीं है। मानवाधिकारों को बनाए रखने, न्याय सुनिश्चित करने और दक्षिण एशिया की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करने के लिए सभी देशों और वैश्विक निकायों का एक ठोस प्रयास आवश्यक है। यह न केवल सरकारों की ओर से बल्कि न्याय, समानता और वैश्विक शांति के लिए प्रतिबद्ध व्यक्तियों की ओर से कार्रवाई का आह्वान है। आइए हम इन क्षेत्रों में हिन्दू, सिख, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यकों की आवाज की रक्षा करने और सद्भाव और समावेशिता में निहित भविष्य का निर्माण करने के लिए एक वैश्विक बिरादरी के रूप में एक साथ उठें ।

# ढूढने होंगे समाधिस्थल के समाधान

**— योगेन्द्र योगी—**

**कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां उनका स्मारक भी बन सके। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करेगी। आश्चर्य यह है कि अतिविशिष्ट व्यक्तियों के स्मारक के बारे कायदे—कानून का फैसला मनमोहन सिंह की ही सरकार ने वर्ष 2013 में लिया था। इसके मुताबिक दिल्ली में वीवीआईपी के लिए अलग से कोई स्मारक नहीं होगा और राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों जैसे दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के स्मारकों के लिए एक साझा परिसर बनाने का फैसला किया था। यूपीए सरकार ने राजघाट के पास अलग—अलग समाधियों के निर्माण पर रोक लगाने का फैसला लिया था।**

देश में नेताओं की फितरत में शामिल हो चुका है किसी न किसी वजह से विवादों को जन्म देना। इसके लिए किसी का जन्म—मरण भी नहीं देखा जाता। विवादों के चलते राजनीति इतने निचले स्तर पर जा चुकी है कि दिवंगत विभूतियों को भी नहीं बख्शा जाता। इसमें नेताओं का अहम और राजनीतिक आड़े आ जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह भी इसी राजनीति का शिकार हो गए। सिंह की चिता की राख अभी ठंडी भी नहीं हुई है कि उनकी समाधी स्थल को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार और कांग्रेस तथा विपक्षी दल एक—दूसरे को नीचा दिखाने में लग गए। दिल्ली में सिंह के स्मारक के लिए जगह को लेकर कांग्रेस और सरकार के बीच आरोप—प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

सिंह के स्मारक के मुद्दे पर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को देश के महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया है। राहुल गांधी के मुताबिक आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यथोचित स्थान उपलब्ध नहीं करा कर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पद की गरिमा, उनकी विरासत और खुद्दार सिख समुदाय के साथ न्याय नहीं किया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में असम्मान और कुप्रबंधन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि डीडी (दूरदर्शन) को छोड़कर किसी भी समाचार एजेंसी को अनुमति नहीं दी गई। डीडी ने मोदी और शाह पर ध्यान केंद्रित किया। सिंह के परिवार को बमुश्किल ही कवर किया। उन्होंने दावा किया कि सिंह के परिवार के लिए केवल तीन कुर्सियां सामने की पंक्ति में रखी गईं। कांग्रेस नेताओं, सिंह की बेटियों और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के लिए सीट की व्यवस्था की खातिर जद्दोजहद करनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि इस महान राजनेता के साथ इस अपमानजनक व्यवहार से सरकार की प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसकी असंवेदनशीलता उजागर होती है। खेड़ा ने दावा किया कि हैरानी की बात यह रही कि जब भूटान के नरेश खड़े हुए, तो प्रधानमंत्री मोदी खड़े नहीं हुए। अंतिम संस्कार की रस्में निभाने वाले पोतों को चिता तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ा तथा विदेशी राजनयिकों को कहीं और बैठाया गया और वे नजर नहीं आए। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा कैसे पीछे रह सकती थी। यह देखे बगैर की इस मुद्दे पर राष्ट्रीय—अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भद्द पिटेगी, भाजपा पलटवार करने में पीछे नहीं रही। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे देश के पूर्व प्रधानमंत्री सम्मानीय मनमोहन सिंह जी के दुखद देहावसान पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की इस घटिया सोच के लिए जितनी भी निंदा की जाए, कम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनमोहन सिंह को जीते—जी कभी भी वास्तविक सम्मान नहीं दिया, लेकिन अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। इस विवाद में आम आदमी पार्टी भी कूद पड़ी। (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया। इसके पूर्व भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। केजरीवाल ने सवाल किया कि सिख समाज से आने वाले और पूरी दुनिया में ख्यातिप्राप्त 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए भाजपा सरकार 1000 गज जमीन भी न दे सकी?

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां उनका स्मारक भी बन सके। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करेगी। आश्चर्य यह है कि अतिविशिष्ट व्यक्तियों के स्मारक के बारे कायदे—कानून का फैसला मनमोहन सिंह की ही सरकार ने वर्ष 2013 में लिया था। इसके मुताबिक दिल्ली में वीवीआईपी के लिए अलग से कोई स्मारक नहीं होगा और राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों जैसे दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के स्मारकों के लिए एक साझा परिसर बनाने का फैसला किया था। यूपीए सरकार ने राजघाट के पास अलग—अलग समाधियों के निर्माण पर रोक लगाने का फैसला लिया था।  सिंह के समाधिस्थल को लेकर हायतौबा मचाने वाली कांग्रेस अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री रहे नरसिम्हा राव की समाधि को लेकर किए गए बर्ताव को भूल गई। कांग्रेस की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार राव के स्मारक के लिए 10 साल तक जगह नहीं दी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री राव के कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी से राजनीतिक रिश्ते कभी सौहाद्रपूर्ण नहीं रहे। यही वजह रही कि कांग्रेस उनकी समाधि को लेकर उपेक्षा करती रही। साल 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई तब स्मारक बनाने का प्रस्ताव दिया गया। तत्कालीन केंद्रीय शहरी विकास मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने इस पर तेजी से काम किया। ऐसा नहीं है कि अतिशिष्टि व्यक्तियों की समाधिस्थल को लेकर विवाद आगे नहीं होगा। केंद्र में सत्ता बदलने पर फिर ऐसी ही हास्यादपद हालात पैदा हो सकते हैं। बेहतर यही होगा कि ऐसे मुद्दों पर तुच्छ राजनीति से परे राजनीतिक दलों को मिल बैठ कर स्थायी हल ढूंढना चाहिए, ताकि दिवंगत की आत्मा को शांति मिले और ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर जगहसाई से बचा जा सके।

## भारतीय फिल्मों की ऑस्कर में अनदेखी

**लापता लेडीज 1 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी. इसमें नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, रवि किशन, स्पर्श श्रीवास्तव अहम रोल में दिखे. फिल्म को क्रिटिक्स और पब्लिक ने बेशुमार प्यार दिया. रूरल इंडिया पर सेट ये फिल्म दो दुल्हनों की कहानी है जिनकी ट्रेन में अदला—बदली हो जाती है. किरण राव की ये फिल्म कई सामाजिक मुद्दों पर चोट करती है. ऑस्कर्स 2025 में किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' को झटका लगा है. आमिर खान के प्रोड्क्शन में बनी ये फिल्म 97वें एकेडमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में इंडिया की ऑफिशियल एंट्री थी. लेकिन बुरी खबर ये है कि लापता लेडीज ऑस्कर्स जीतने की रेस से बाहर हो गई है. इस न्यूज से फैंस बेहद निराश हैं।**

बीते दिनों भारतीय फिल्मों के प्रशंसकों के लिए तब निराशाजनक खबर आयी कि ऑस्कर अवार्ड 2025 की 'इंटरनेशनल फीचर फिल्म' कैटेगरी के लिए शॉर्टलिस्ट हुई 15 फिल्मों में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि 'लापता लेडीज' का नाम नहीं है। डायरेक्टर किरण राव की फिल्म लापता लेडीज, जिसने दर्शकों को खूब इंटरटेन और इम्प्रेस किया था। सवाल है कि दुनिया में सबसे ज्यादा फिल्में बनाने के बावजूद हमारी फिल्मों में आखिर क्या कमी होती है, जो ऑस्कर में रिजेक्ट हो जाती हैं। कोई भारतीय फीचर फिल्म आजतक ऑस्कर अवार्ड नहीं जीत सकी। आखिर किस कारण ऑस्कर मंच पर आलोचक या समीक्षक हमारी फिल्मों पर ध्यान ही नहीं देते? क्या भेदभाव होता है या फिर उनकी बनावट, कथ्य की बुनावट और मैसेजिंग में ग्लोबल अपील नहीं होती?

भारत ने आजतक ऑस्कर अवार्ड में प्रतिस्पर्धा के लिए 35 से ज्यादा फिल्में 'बेस्ट इंटरनेशनल फिल्म' श्रेणी में भेजी हैं, लेकिन किसी को ऑस्कर नहीं मिल सका। जो फिल्में इस अवार्ड के नजदीक पहुंची, उनमें— मदर इंडिया (1957), सलाम बॉम्बे (1988) और लगान (2001), ये तीन ऐसी फिल्में थीं जो शॉट लिस्ट हुईं और अंतिम पांच नामांकित फिल्मों में जगह बनायी। जो फिल्में पुरस्कार के लिए शॉट लिस्ट तो हुईं, लेकिन अंतिम पांच में नहीं आ सकी, उनमें 2023 में एसएस राजामौली की 'आरआरआर' और 2022 में गुजराती फिल्म 'छेल्लो शो' नॉमिनेट तो हुई थी, लेकिन अंतिम पांच में चयन नहीं हुआ। कुछ और फिल्में जिनसे उम्मीद थी,लेकिन शॉट लिस्ट नहीं हुई। इस साल लापता लेडीज को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 29 फिल्मों के समूह में से चुना था। लग रहा था कि ग्रामीण भारत में लैंगिक मुद्दों और महिला सशक्तीकरण विषय को हास्य और गंभीर कहानी में पिरोकर पेश करने वाली लापता लेडीज ज्यूरी को प्रभावित करेगी। लेकिन उम्मीद पूरी न हो सकी।

विशेषज्ञ यह मानने से हिचकते हैं कि हमारे साथ भेदभाव होता है। वे वजहें गिनाते हैं कि हमारी फिल्मों और विदेशी खासकर पश्चिम की फिल्मों का कंटेंट भिन्न है। वहीं गीत, संगीत, नाटकीयता और सांस्कृतिक संदर्भों की भरमार होती है, जो कि ऑस्कर की ज्यूरी को समझ में नहीं आती और पर्याप्त कलात्मकता भी नहीं पाती। फिर मार्केटिंग और प्रचार की भी काफी कमी होती है। एक बात यह भी कि भारत से भेजी जाने वाली फिल्में सही तरीके से नहीं चुनी जातीं। वहीं हमारी फिल्मों में ग्लोबल अपील नहीं होती। हालांकि कुछ फिल्मों ने हाल में वैश्विक सिने दर्शकों का ध्यान खींचा है। बेहतर हो सकता है अगर भारत के फिल्मकार फिल्मों का विषय ग्लोबल चुनें यानी ग्लोबल स्टोरीटेलिंग पर फोकस करें, लॉबिइंग और प्रचार पर अधिक व्यय करें। —इ.रि.सें.

**—डीजे नन्दन**

# मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गए साथ, फिर कर दी युवक की हत्या, तीन पर मुकदमा दर्ज

**संवाददाता—देवरिया।** जिले के श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के बनकटा जगदीश में घर से बुला कर एक युवक की हत्या कर दी गई। मामले में पुलिस मृतक के भाई की तहरीर पर दो नामजद सहित तीन के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल कर रही है। घटना शुक्रवार की रात की है। सूचना पाकर एसपी विक्रांत वीर ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच के निर्देश दिए है। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बनकटा जगदीश निवासी शिवजी राय (25) पुत्र कन्हैयालाल को शुक्रवार की शाम करीब चार बजे उनके गांव के ही रहने वाले नंदन पुत्र राजेंद्र प्रसाद व एक व्यक्ति नाम पता अज्ञात मोटरसाइकिल पर बैठाकर चौराहे की तरफ ले गए थे।

शाम को करीब 7 बजे शिवजी राय घायल अवस्था में गांव के दक्षिण की तरफ रोड पर पड़े हुए मिले। परिजन इलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटा ले गए, जहां से डॉक्टरों ने मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज में पहुचने के बाद वहां के चिकित्सकों ने शिवजी राय को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसपी ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मृतक के परिजनों से जानकारी ली। मामले में मृतक के भाई जनक कुमार राय की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही नंदन व चंदन सहित तीन के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज कर नंदन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

एसपी देवरिया, विक्रांत वीर ने कहा कि श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के बनकटा जगदीश में एक व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी की कुछ लोग उनके भाई को घर से बुला कर ले गए थे। उनका भाई घायलावस्था में सड़क पर मिला है, अस्पताल ले जाने के बाद चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया है। सूचना पर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया है फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन की है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही घटना का अनावरण कर दिया जाएगा।

# भारत–नेपाल मैत्री सेवा की बस और ट्रक में भिड़ंत, 11 घायल, पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

**संवाददाता—बहराइच।** शनिवार को बहराइच–लखीमपुर सीमा पर भारत–नेपाल मैत्री सेवा की बस और ट्रक में टक्कर हो गई। इससे बस में सवार 11 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी मोतीपुर पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया।

हादसा मोतीपुर थाना क्षेत्र के नानपारा–लखीमपुर हाईवे पर जालिम नगर चौकी के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। यहां दिल्ली से नेपाल के डांग तक जाने वाली नेपाल–भारत मैत्री बस की भिड़ंत ट्रक से हो गई। इससे बस में सवार 11 लोग घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी मोतीपुर भेजा। हादसे में सुनीता पत्नी काली राम, धर्म बहादुर पुत्र धन बहादुर बालिका पत्नी बल बहादुर डांग नेपाल सहित 11 लोगों को हल्की चोटें आई थी। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

# युवक ने महिला को कुल्हाड़ी से काट कर मार डाला, खुद भी फांसी पर लटका

**संवाददाता—श्रावसती।** जिले में युवक ने रिश्ते कत्ल कर खुद भी जान दे दी है। रुपये के लेनदेन के विवाद में एक युवक ने महिला की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। इसके बाद युवक ने खुद भी फांसी के फंदे से लटकर अपनी जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक और महिला के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

कोतवाली क्षेत्र भिनगा के अमराहवा गांव निवासी छांगुर पुत्र राम प्यारे का इसी गांव निवासी महिला संगीता सोनी पत्नी राजू के साथ रुपये की लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि आए दिन विवाद हो जाता था। इस क्रम में शनिवार सुबह छांगुर संगीता के घर पहुंचा था। कुछ बात हुई और विवाद होने लगा। काफी देर तक दोनों में कहासुनी होती रही। बात इतनी बढ़ी तो मारपीट तक आ गई। इस बीच छांगुर ने कुल्हाड़ी से संगीता की गर्नद पर वार कर दिया। संगीता गिर गई। इससे घटनास्थल पर ही संगीता की मौत हो गई।

हत्या की लोगों की ओर से सूचना पुलिस को दी गई जब पुलिस आती तब तक इस दौरान कार्रवाई की डर से छांगुर भी गांव के बाहर स्थित बाग में पहुंचा और पेड़ के सहारे फांसी के फंदे से लटक गया और उसकी भी मौत हो गई। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार्रवाई में जुटी हुई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम भेजने की तैयारी चल रही है। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है।

# पहले बाजार से रस्सी लाया फिर फंदे से झूल गया युवक

**संवाददाता—गोण्डा।** थाना क्षेत्र के के मजरा कटरा गांव के बाहर शनिवार सुबह सड़क किनारे एक पेड़ की डाल से रस्सी के सहारे एक युवक का शव लटकता हुआ पाया गया है। बताया जाता है कि युवक शुक्रवार को वजीरगंज बाजार के लिए घर से निकला था लेकिन फिर घर वापस नहीं पहुंचा। शव नई रस्सी से लटकता पाया गया है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक पहले बाजार से नई रस्सी लाया और फिर से फंदे लटक गया। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर, सभी बिन्दुओं पर जांच कर रही है। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। बताया जाता है कि बस्ती जनपद के थाना परशुरामपुर मुडिलखा निवासी युवक पंकज चौहान (24) पुत्र स्व. बडकाने अपने मामा चंद्रभान के यहां कटरा में कई वर्षों से रह रहा था। उसके पिता की लगभग 14 वर्ष पहले एक ट्रेन हादसे में मौत हो गयी थी तथा माँ भी दस वर्ष पहले बीमारी के चलते चल बसी, तब से वह यहीं मामा के यहां रह रहा था। परिजनों ने बताया कि वह शुक्रवार दोपहर वजीरगंज बाजार जा रहा है, बताकर निकला था। देर रात तक जब नहीं लौटा तो लोगों को चिंता हुई। आसपास ढूंढा गया लेकिन कहीं कोई अता–पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह शौंच के लिए गांव से बाहर आए लोगों ने सड़क के किनारे एक आम के पेंड से उसकी लाश लटकती हुई देखी और परिजनों को सूचना दी। देखते ही देखते खबर आग की तरह फैल गई। आसपास के गांवों की भीड़ मौका–ए–वारदात पर जमा हो गई। मौका–ए–वारदात पर पड़ा मिला गमछा और जाकेट रू मौका–ए–वारदात पर लाल सफेद धारी का गमछा व काली जाकेट भी बरामद हुई है। वहीं जिस रस्सी के सहारे लाश लटकती हुई पाई गई है, वह रस्सी भी नई है। इन सब बिन्दुओं को आधार बनाकर पुलिस मामले की जांच करने में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर मौत का कारण पता चलेगा। मृतक युवक की नानी सुमिरता पत्नी विभूती रोते हुईं बताती हैं कि पंकज अक्सर जान देनी की बात करता था। कहता था कि जब हमारे कोई नहीं है तो फिर मैं जिंदा रहकर क्या करुंगा ? शुक्रवार को भी वह यही बात दोहराकर घर से निकला था। बूढ़ी नानी की रोते–रोते आंख पथरा गई है।

# दो जिलों के एसपी ने भारत नेपाल सीमा का भ्रमण किया

**संवाददाता—श्रावस्ती।** महाकुंभ 2025 के मद्देनजर गृह मंत्रालय की ओर से सीमा सुरक्षा के लिए जरूरी निर्देश जारी किए गए हैं। इस क्रम में श्रावस्ती व बहराइच के एसपी ने एसएसबी जवानों के साथ भारत नेपाल सीमा का निरीक्षण किया। साथ ही सुरक्षा ड्यूटी में लगे जवानों को जरूरी निर्देश दिए। श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया व बहराइच पुलिस अधीक्षक बहराइच राम नयन सिंह ने शुक्रवार रात में एसएसबी की संयुक्त टीम के साथ भारत नेपाल सीमा का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना मल्हीपुर क्षेत्र स्थित इंडो नेपाल बॉर्डर व बहराइच की सीमा से सटे क्षेत्र में भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों जनपद की पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम के साथ एरिया डोमिनेशन भी किया। भ्रमण के दौरान एसपी ने सीमा सुरक्षा में तैनात सुरक्षा जवानों को सीमा की गतिविधियों पर बारीकी नजर रखने व संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी करते रहने का निर्देश दिया। एसपी ने बताया कि प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेले को लेकर गृह मंत्रालय की ओर से जरूरी निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में सीमा की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। साथ ही नियमित गश्त व सघन जांच की जा रही है।

# पूर्व मंत्री पर केस दर्ज होने के खिलाफ सड़क पर उतरे कांग्रेसी

**संवाददाता—महराजगंज।** झांसी में पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने से नाराज कांग्रेसी शनिवार को सड़क पर उतर गए। मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेसियों ने इसके लिए सरकार को घेरा। नारेबाजी करते हुए प्रशासन के जरिए राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। इस मुकदमें को गलत और दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए केस को वापस लेने की मांग की। जिलाध्यक्ष शरद कुमार सिंह बबलू की अगुवाई में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन के दौरान जमकर नारेबाजी की। प्रदेश सरकार की नीतियों को कोसा। कहा कि 26 दिसंबर को झांसी जिले में कई दिनों के बाद भी सरकारी खरीद केन्द्र पर किसानों की मूंगफली नहीं खरीदे जाने और कमीशन के रूप में 1400 से 1600 रुपये की वसूली से किसान आक्रोशित हो गए थे। आक्रोशित किसान गोजला मंडी से अपनी मूंगफली से लदी ट्रैक्टर–टालियां लेकर जिलाधिकारी को अपनी पीड़ा सुनाने पहुंचे। इनमें से एक ट्रैक्टर–ट्राली कलक्ट्रेट के अन्दर पहुंची व अन्य मुख्य द्वार के बाहर खड़ी रही। किसानों की समस्या को लेकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य भी कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ जिलाधिकारी से मिलने पहुंचे। कांग्रेसियों ने कहा कि इस दौरान कोई उत्पात नहीं हुआ। बातचीत हुई और सब वापस लौट आए। बाद में पुलिस ने वहां तैनात होमगार्ड हर प्रसाद की तहरीर पर किसानों के साथ ट्रैक्टर–ट्राली लेकर कलक्ट्रेट में उत्पात मचाने, मारपीट करने व सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, रामपाल सिंह एवं 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ नवाबाद थाने में केस दर्ज कर लिया। कांग्रेसियों ने ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल से मांग की कि किसानों की समस्या को लेकर कलक्ट्रेट पहुंचे पूर्व मंत्री व अन्य के खिलाफ दर्ज मुकदमें को वापस लेने के लिए तत्काल झांसी जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन को आदेश निर्गत किया जाए।

प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद, गामा प्रसाद, नूर आलम, अकील शेख, तेजबहादुर पांडेय, अफजल अब्बासी, विनोद कुमार सिंह, इमदादुल्लाह, जग्गू प्रसाद, सुहेल अहमद, चंद्रजीत भारी, घनश्याम मिश्र, पूर्णमासी यादव, शेषमणि गुप्ता, अमरजीत निषाद सहित तमाम कांग्रेसी मौजूद रहे।

# मस्जिद में घुसा तेंदुआ, मचाया आतंक, लोगों ने पकड़कर मारा

**संवाददाता—महराजगंज।** महराजगंज में तेंदुए के आतंक का मामला थम नहीं रहा है। शनिवार की सुबह लक्ष्मीपुर के मझौली स्थित एक मस्जिद में छत के रास्ते तेंदुआ घुस गया। मस्जिद में किताबें पढ़ रहे लोगों पर हमला बोलकर तेंदुए ने आतंक मचाना शुरू कर दिया। लोगों ने दिलेरी दिखाकर तेंदुए को दबोच लिया और इस घटनाक्रम में तेंदुए की मौत भी हो गई। लक्ष्मीपुर के मझौली स्थित मस्जिद में लोग रोज सुबह पहुंचकर पढ़ते हैं। इनमें बड़े–बुजुर्ग भी रहते हैं। शनिवार की सुबह रोज की तरह लोग मस्जिद में थे। इसी बीच अचानक छत के रास्ते जंगल से निकलकर आया तेंदुआ मस्जिद में घुस गया। पढ़ रहे लोगों पर हमला बोल दिया। तेंदुए के हमले में 51 वर्षीय साजिद अली, 40 वर्षीय नुरूल होदा, 40 वर्षीय हैदर घायल हो गए।

इस दौरान मौजूद लोगों ने साहस दिखाते हुए तेंदुए को पकड़ लिया। हमलावर तेंदुए को लोगों ने जाल में बांध दिया। इस दौरान संघर्ष में तेंदुए की मौत हो गई। आनन–फानन में घायलों को लक्ष्मीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया और इसकी वन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर वन विभाग की टीम पहुंच गई है।

# मदरसे में चलता था जाली नोटों का कारोबार, रात को लड़कियों को रोकता था नूरी बाबा

**संवाददाता—श्रावस्ती।** मल्हीपुर थाने के लक्ष्मनपुर निवासी मदरसा संचालक के कारनामों की परत दिन पर दिन खुलती जा रही है। कबाड़ के धंधे से शुरू कारोबार तस्करी तक पहुंच गया। नेपाल सीमा के करीब स्थित होने के कारण मदरसे से अवैध गतिविधियों को चलाता था। जाली नोटों का कारोबार करता था। युवतियों को झाड़–फूंक के बहाने मदरसे में रोकता था। नूरी बाबा आए दिन नेपाल भी जाता था और नेपाल से लोग आते जाते थे जिसमें युवतियां भी शामिल होती थीं। ग्रामीणों की माने तो नूरी बाबा तस्करी में भी शामिल रहता था। जिससे कम समय में लाखों की सम्पत्ति अर्जित कर ली। नकली नोटों का धंधा करने का आरोपी मुबारक उर्फ नूरी बाबा का नेपाल कनेक्शन खंगाला जा रहा है। इसके लिए पुलिस के साथ ही खुफिया तंत्र भी पूरी तरह से सक्रिय है। इसकी मानीटरिंग खुद एसपी कर रहे हैं। नूरी बाबा लक्ष्मनपुर में ग्रामीणों के बीच आम आदमी बन कर रहता था लेकिन लक्ष्मनपुर गांव से सटे मदरसे में अक्सर बाहरी लोग आते जाते थे जिसमें नेपाली युवक व युवतियां भी शामिल रहते थे। ग्रामीण तो यहां तक बताते हैं कि बाबा अक्सर नेपाल आता जाता रहता था। युवतियों को झाड़–फूंक के बहाने मदरसे में रोकता था और फिर कहीं भेज देता था। मदरसे के लिए नेपाल क्षेत्र से चंदा मांगने भी जाता था। मुबारक अली उर्फ नूरी बाबा के संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी ग्रामीणों को थी। इसके बाद भी कोई आवाज नहीं उठाता था। वह ग्रामीणों को तंत्र मंत्र तो कभी ऊंची पहुंच का रौब जमाता था। इसके कारण लोग उसकी गतिविधियों को अनदेखा करते थे। अब पुलिस ऐक्शन में आ गई है। उसके सारे कनेक्शन खंगाले जा रहे हैं। खुफिया तंत्र को सक्रिय किया गया है। जानकारी खंगाली जा रही है।

# बैक हो रहे ट्रक की चपेट में आया ढाबा व्यवसायी, मौत

**संवाददाता—महराजगंज।** पुरंदरपुर क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित पैसिया ललाइन में शनिवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। गिट्टी गिराकर बैक हो रहे ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार ढाबा व्यवसायी की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। लक्ष्मीपुर बाजार (एकमा) निवासी सरदार रंजीत उर्फ बबलू सिंह (55) पुत्र इकबाल सिंह शनिवार की सुबह लगभग 10.30 बजे अपने घर से बाइक से ढाबे के लिए रवाना हुआ। जैसे ही पैसिया ललाइन चौराहे से उत्तर की दिशा में आगे बढ़ा तभी सड़क निर्माण के लिए गिट्टी गिराकर बैक हो रहे ट्रक की चपेट में आ गया। इस हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गया। लोगों की नजर ट्रक पर पड़ी तो शोर करना शुरू कर दिया। आनन–फानन

में एंबुलेंस से घायल को लक्ष्मीपुर सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार शुक्ल ने बताया कि सिर पर गंभीर जख्म होने के कारण घायल की मृत्यु हो गई। वहीं, दुर्घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और ट्रक को थाने पर लाया गया। पहले परिजन शव का पोस्टमार्टम कराने को राजी नहीं हो रहे थे। पुलिस व ग्रामीणों के समझाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने पर राजी हुए। एसओ पुरुषोत्तम राव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में जरूरी कार्रवाई हो रही है।

लक्ष्मीपुर बाजार के निवासी सरदार रंजीत उर्फ बबलू सिंह की मौत की खबर से हर कोई स्तब्ध हो गया। बबलू मृदभाषी व किसी की भी मदद के लिए आगे रहता था। सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में बढ़–चढ़कर भागीदारी रहती थी। बाजार से दो किमी पर स्थित ढाबे पर देर रात कोई बाजार या जानने वाला बस से उतरता था तो उसके आगे जाने की व्यवस्था करता था। हादसे के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। मृतक रंजीत सिंह की पत्नी, एक पुत्र वीरेन्द्र पाल सिंह उर्फ करन, दो बेटियां साइबा व मुस्कान हैं।

# एंटी करप्शन की कार्रवाई से लेखपाल नाराज, ज्ञापन सौंपा

**संवाददाता—गोण्डा।** उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले तहसील अध्यक्ष दुर्गेश कुमार वर्मा व मंत्री राम पूजन सिंह यादव की अगुवाई में लेखपालों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा है । जिसमें प्रदेश की विभिन्न तहसीलों में तैनात लेखपालों पर एक साजिश के तहत एंटी करप्शन व विजिलेंस टीम द्वारा जबरन गलत तरीके से ट्रैप किए जाने को लेकर गहरी नाराजगी जताई गई है। लेखपालों ने सम्पूर्ण समाधान दिवस का विरोध करते हुए तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन भी किया है। लेखपालों का आरोप है कि गाजीपुर सहित प्रदेश के अन्य जनपदों में लेखपाल साथियों को गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। इस कार्य की निंदा करते हुए मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश व एसडीएम एशवंत राव को ज्ञापन सौंपा गया है । संघ के मंत्री राम पूजन सिंह यादव ने कहा कि लेखपाल फील्ड कर्मचारी है। जनता भूमि विवाद संबधी अधिकांश कार्य लेखपाल के पास आता है। पंचायत एवं विकास विभाग को भूमि उपलब्ध कराने का जिम्मा भी लेखपालों के पास होता है। अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाई भी करता है इससे एक पक्ष जिसके खिलाफ शासन की मंशानुसार लेखपाल अपने उच्चाधिकारियों, तहसीलदार, एसडीएम,डीएम के फरमान पर कार्यवाई करता है, उसे नाराज पक्ष फर्जी मामले फंसाने के लिए एंटी करप्शन आदि से मिलकर कार्य करता है, जिसके शिकार लेखपाल हो रहे हैं। गाजीपुर की तहसील काशिमाबाद इसका ज्वलंत उदाहरण है, जिसमें लेखपाल ग्राम प्रधान व किसानों के साथ में थे। जबरन लेखपाल की जेब में रूपये डालकर जबरन गिरफ्तारी की गयी। जिसकी पूरे प्रदेश के लेखपाल निंदा कर रहे हैं। इस मौके लेखपाल स्वामीनाथ शुक्ल, स्नेहलता विश्वकर्मा, प्रीती मिश्रा, निर्मल कुमार, गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, प्रेम शंकर आर्य, अजय कुमार भारती, राकेश कुमार श्रीवास्तव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

# स्वास्थ्य उपकेंद्र बन गया शरारती तत्वों का अड्डा

**संवाददाता—गोण्डा।** ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आसानी से इलाज की सुविधा मिले, इसके लिए स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कराया गया था लेकिन अफसरों की लापरवाही से स्वास्थ्य उपकेंद्र अब शरारती तत्वों का अड्डा बन गया है। किसी भी कर्मचारी की तैनाती न होने से नए भवन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। बेलसर ब्लॉक क्षेत्र के हरखापुर गांव में करीब छह महीने पहले स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कराया गया है ,लेकिन अफसरों की लापरवाही की वजह से ग्रामीणों को अभी इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। गांव के लोगों का कहना है कि भवन निर्माण करीब छह महीने पहले हुआ है लेकिन कोई चिकित्सक और कर्मचारी अभी यहां आया नहीं है। गांव के सूर्य मोहन का कहना है कि खाली भवन में शरारती तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। केंद्र के अंदर छुट्टा मवेशी बैठे रहते हैं। शरारती तत्वों ने अस्पताल की खिड़की को तोड़ दिया है। गांव के नारायण दत्त ने बताया कि अगर अस्पताल शुरू होता तो गांव के लोगों को आसानी से इलाज मिल जाता। गांव के गोली बताते हैं कि रात में छुट्टा मवेशी बैठते हैं। इन मवेशियों की वजह से हालही में बना उपकेंद्र जर्जर दिखाई दे रहा हैं।

बिना उपयोग के स्वास्थ्य उपकेंद्र का भवन हो रहा जर्जर रू हरखापुर ग्राम पंचायत में छह महीने पहले स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपकेंद्र का निर्माण कराया गया है। लेकिन अब उपकेंद्र बिना उपयोग के ही जर्जर हालत में दिखाई दे रहा है। बिजली का बोर्ड टूट गया है। परिसर में गंदगी व्याप्त है। वहीं फर्श और दीवारें गंदी हो चुकी हैं। परिसर के हैंडपंप को गांव के लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। खिड़की के शीशे टूटे हुए हैं। ग्राम प्रधान हरबंश तिवारी ने बताया कि भवन बनाने का क्या फायदा अगर इसमें कोई चिकित्सक व कर्मचारी नहीं बैठता है। उन्होंने कहा कि कई बार सीएचसी अधीक्षक से फोन पर जानकारी ली गई लेकिन बताने में आना कानी कर रहे हैं।

# आपरेशन क्लीन में होगा थानों में खड़े वाहनों का निस्तारण

**संवाददाता—देवरिया।** पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर के विभिन्न थानों के निरीक्षण में परिसर में काफी संख्या में लावारिस तथा माल मुकदमाती वाहन खड़े मिले। इन वाहनों से थानों की काफी अधिक भूमि आच्छादित है। लम्बे समय से लावारिस माल मुकदमाती, 207 एमवी एक्ट में सीज वाहन धूप, गर्मी, बरसात के कारण वाहनों के कलपुर्जा में जंग लगकर नष्ट हो रहे हैं। थाना परिसर के व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर खतरे की सम्भावना को देखते हुए उनके निस्तारण को जनपद में ऑपरेशन क्लीन अभियान चलाया जाएगा। सुन्दर भाई अम्बाला देसाई बनाम गुजरात राज्य व सीएम मुदालियार बनाम गुजरात राज्य, सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार ऐसे वाहनों को वाहन स्वामी द्वारा अवमुक्त न कराने की दशा में नीलाम कर नीलामी से प्राप्त धनराशि राजकीय कोष में जमा कराये जाने का प्राविधान है। थानों में लम्बित मालों वाहनों के विधिक निस्तारण को 6 जनवरी से 6 मार्च तक एक विशेष अभियानआपरेशन क्लीन चलाया जायेगा।

# एक साथ बुझ गए दो घरों के चिराग, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

**संवाददाता—बहराइच।** जिले के पयागपुर थाना क्षेत्र के शिवदहा खजूरी मार्ग पर तिवारी पुरवा के पास अपने नाना के घर से वापस जा रहे एक मेडिकल छात्र समेत दो युवकों को किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे मेडिकल छात्र की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि दूसरे युवक को लखनऊ ले जाते समय कैसरगंज में उसने अंतिम सांस ली। इस घटना के बाद दोनों परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। एक झटके में दो घरों के चिराग बुझ गए। जिले के पयागपुर थाना क्षेत्र में प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवदहा खजूरी मार्ग पर शुक्रवार की देर रात बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें शिवशंकर पुरवा के रहने वाले निखिल उर्फ वेद शुक्ला 19 वर्ष व श्रावस्ती जिला दामू पुरवा सतरही सोनवा के रहने वाले उनके मामा के लड़के सूरजपुत्र अजय पांडे बाइक पर सवार थे। निखिल अपने नाना के घर गए थे। वहां से वापस लौट रहे थे। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां पर डॉक्टरों ने निखिल उर्फ वेद शुक्ला को मृत घोषित कर दिया। जबकि सूरजपुत्र अजय पांडे का प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

लखनऊ ले जाते समय कैसरगंज के पास उनकी मौत हो गई। दोनों परिवारों के पास सूचना पहुंचते ही घर पर कोहराम मच गया परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थानाध्यक्ष करुणा शंकर पांडे ने बताया की अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को ठोकर मारने की बात कही जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

# मोहब्बत को सिर्फ छह दिनों का साथ, कुएं में मिली दोनों की लाशें

**संवाददाता—श्रावस्ती।** ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया.. .., किसी शायर की यह पंक्तियां श्रावस्ती की इस खबर पर सही साबित हो रही हैं। यहां प्रेमी युगल साथ जीने मरने की कसमें खाकर छह दिन पहले घर से चले तो गए लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। अब दोनों की लाशें मिली हैं।

यूपी के श्रावस्ती में घर से लापता प्रेमी युगलों के शव शनिवार को कुएं में उतराते मिले। लोगों ने देखा तो भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। घरवालों और ग्रामीणों से बात करके जानकारी ली। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना सोनवा थाना क्षेत्र के मोहरानिया गांव की है। गांव निवासी मनीष श्रीवास्तव के खेत में कुआं बना है। इसमें शनिवार को रिंकू (19) तथा सुमन (15) के शव उतराते मिले। लोगों ने देखा तो इसकी सूचना गांव वालों को दी।

खबर फैली तो देखते ही देखते लोगों की भीड़ लग गई। घरवाले भी रोते बिलखते पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शवों को बाहर निकलवाया।

ग्रामीणों ने बताया कि दोनों 26 दिसंबर से घर से लापता थे। घरवाले दोनों की तलाश कर रहे थे। किशोरी के पिता ने 28 दिसंबर को थाने में केस दर्ज कराया था। अब लाशें मिलने के बाद घरों में चीख पुकार मची है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

# सीएम योगी ने उपचुनाव की सरगर्मी के बीच टटोली कार्यकर्ताओं की नब्ज, दिया जीत का मंत्र

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र का सियासी पारा और भाजपा कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अयोध्या के मिल्कीपुर में थे। लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद सीएम योगी का मिल्कीपुर का यह पांचवा दौरा था। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कार्यकर्ताओं और ग्राम प्रधानों से सीएम योगी ने बातचीत की और उनके मन को टटोला।

कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान सीएम योगी ने उन्हें जीत का मंत्र भी दिया। सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि वे सभी मतदाताओं के संपर्क में रहें और अपनी योजनाओं का बखान भी करते रहें। माना जा रहा है कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव के साथ मिल्कीपुर के भी उप चुनाव का डंका बज सकता है। सीएम योगी के इस मंथन के बाद भाजपा बहुत जल्द ही मिल्कीपुर से अपना प्रत्याशी घोषित कर सकती है।

कार्यकर्ताओं में उत्साह और जिम्मेदारी का एहसास दिलाने के लिए सीएम योगी ने अपनी कैबिनेट के सात मंत्रियों के साथ मंथन किया। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही, मयंकेश्वर शरण सिंह, गिरीश यादव, दयाशंकर मिश्र दयालु, सतीश शर्मा व जेपीएस राठौर सीएम योगी के सिपहसालार के रूप में मौजूद रहे।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि सरकार अपनी योजनाओं को जन जन तक पहुंचा रही है। वही सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बयान कि भाजपा दहशत में है पर मंत्रियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हुए नौ सीटों के चुनाव में सात सीट भाजपा ने जीती है और सपा ने दो तो अब जनता तय करे कि दहशत में कौन है। फिलहाल सीएम योगी कार्यकर्ताओं के संवाद में सियासी पारे को और धार दे गए।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा दहशत में है। कहा कि आखिर भाजपा परेशान क्यों है, एक सीट से क्या होने वाला है, क्या उनकी सरकार गिर जाएगी या सरकार बदल जाएगी। सांसद ने एक बातचीत में कहा कि जिस अयोध्या लोकसभा क्षेत्र से मैं सांसद बना हूं, मिल्कीपुर उसी का हिस्सा है, इसीलिए भाजपा डरी हुई है। दहशत का ही नतीजा है कि मुख्यमंत्री यहां सात बार आए। तीन महीने में 16 मंत्री आ चुके हैं। भाजपा की सोच गलत साबित होगी। हमें मिल्कीपुर की जनता पर भरोसा है, वह हमारे बेटे अजीत प्रसाद को ही चुनाव जिताएगी।

## स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने में जिले की रैंक गिरी, सीएमओ ने कसे पेंच

संवाददाता–संतकबीरनगर। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. रामानुज कन्नौजिया ने शनिवार को जिले के सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी, बीपीएम, बीसीपीएम, डाटा आपरेटर के अलावा अन्य कर्मियों के साथ सीएमओ सभागार में बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी से कहा कि जिले की रैंक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में गिर रही है। जिसे सुधार करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी को एक सप्ताह के अंदर सुधार कर प्रदेश में रैंक सुधार करने का निर्देश दिया है। समीक्षा बैठक में सीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के मामले में जिले का स्तर प्रदेश में 42 वीं रैंक पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की एवं उनके प्रगति सूचकांकों पर उन्होंने समीक्षा की। जिसमें हेल्थ डैशबोर्ड एवं आरसीएच पोर्टल तथा मातृ पोर्टल एवं विभिन्न अन्य पोर्टल के बारे में सभी चिकित्सकों व कर्मियों को जानकारी दी। उन्होंने अधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों एवं एनएचएम के अंतर्गत बीपीएमयू स्टाफ को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के अंदर विभिन्न सूचकांक में प्रगति सुनिश्चित करते हुए पोर्टल पर अपडेशन सुनिश्चित किया जाय। दोबारा 11 जनवरी समीक्षा बैठक होगी। समीक्षा के दौरान उन्होंने आशा और एएनएम को घर–घर जाकर गर्भवती महिलाओं की सेहत की जानकारी लेने, उन्हें संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करने, सभी गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, आशा कार्यकर्ता घर–घर जाकर शिशुओं के स्वास्थ्य का समय–समय पर जानकारी लेने, बच्चों के टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की एचआईवी जांच कराने समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। इस दौरान डा. वरुणेश दूबे, डा. श्वेतांक सिंह, डा. मनीष पांडेय, डा. उमर हसमत अंसारी, डा.आईडी गौरव, राजेश पांडेय, नंदनी राय, अभय त्रिपाठी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

# हाथ में वरमाला लिए खड़ा रहा दूल्हा, बाथरूम के बहाने फरार हुई दुल्हन

संवाददाता–गोरखपुर। सीतापुर जिले से शादी करने आया दूल्हा जयमाल लेकर खड़ा रह गया और दुल्हन बाथरूम के बहाने गहने लेकर भाग गई। शुक्रवार को खजनी के भरोहिया मंदिर में शादी करने के लिए दूल्हा और दुल्हन पक्ष पहुंचे थे। अचानक दुल्हन के भागने के बाद दूल्हा व उसका परिवार सकते में आ गया।

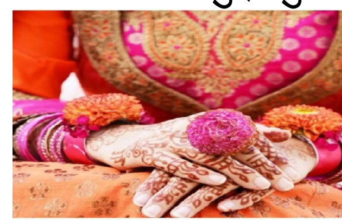

खजनी कस्बे में मोबाइल में दुल्हन का फोटो दिखाकर खोजबीन भी की। सीतापुर जिले तंबौर थाना के गोविंदपुर गांव आए कमलेश कुमार (40) ने बताया कि वे खेती करते हैं। पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। घर परिवार चलाने के लिए किसी समझदार महिला की जरूरत थी।

सोच विचार कर दूसरी शादी करने का फैसला किया। सीतापुर में एक बिचौलिये से मुलाकात हुई, उससे समस्या बताई। बिचौलिये ने जल्द शादी कराने का भरोसा दिलाया। कुछ दिनों बाद एक युवती का फोटो दिखाया। पसंद करने के बाद बातचीत आगे बढ़ी तो बिचौलिये ने खजनी थाना क्षेत्र में स्थित भरोहिया गांव के एश्वरनाथ शिव मंदिर में शादी के लिए तीन जनवरी का दिन तय किया। शादी का दिन तय कर बिचौलिये ने 30 हजार रुपये लिए। कमलेश ने बताया कि शुक्रवार दोपहर के समय तय दिन पर परिवार के साथ खजनी स्थित मंदिर पर शादी करने पहुंचा। मंदिर पर पहले से मौजूद दुल्हन और उसकी मां को सुहाग का लाल जोड़ा, शृंगार के सामान, नई साड़ियां और चढ़ावे के लिए लाए गहने सौंप दिए। शादी के दौरान खर्च करने के लिए नकद रुपये भी दिए। इसके बाद जयमाल का कार्यक्रम शुरू हुआ। इसी दौरान दुल्हन बाथरूम जाने के लिए कहकर वहां से निकली। इसके बाद नहीं लौटी। काफी देर तलाश के बाद पता चला कि दुल्हन के साथ ही उसकी मां भी लापता है। सामान भी वहां नहीं था। इसके बाद बदहवास होकर दूल्हा खजनी कस्बे में दुल्हन की तलाश करने लगा। इस दौरान दूल्हे के साथ उनका बेटा भी था।

## सेंट्रल लैब हुआ चालू, जांच कराने वाले मरीजों को मिलेगी सहूलियत

संवाददाता–संतकबीरनगर। करीब बीस माह से जिला अस्पताल में सेंट्रल लैब शुरू करने की कवायद चल रही थी। शनिवार को यह लैब चालू कर दिया गया। अब मरीजों को एक ही छत के नीचे सभी जांचें मिल जाएंगी। भगदौड़ से मरीजों को निजात मिलेगी। वहीं इस लैब में जांच का दायरा भी अब बढ़ जाएगा। लैब प्रभारी ने कर्मियों से कहा कि मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करें। करीब 80 लाख की लागत से जिला अस्पताल के पश्चिमी छोर पर सेंट्रल लैब बनाया गया है। इस लैब को बनाने के लिए तत्कालीन सीएमएस डा. ओपी चतुर्वेदी ने पहल की थी। इस पर शासन से इस लैब को बनाने की अनुमति मिली थी। उक्त कार्य को कराने के लिए कार्यदायी संस्था ने स्वास्थ्य विभाग के अवर अभियंता के देखरेख में कार्य किया। जिससे कि मरीजों को जांच के लिए इधर–उधर अस्पताल में भटकना न पड़े। संस्था ने कई माह पहले उक्त भवन को सीएमएस को हैंडओवर कर दिया था।

लेकिन संसाधनों की कमी के कारण यह चालू नहीं हो सका था। अब शनिवार को सेंट्रल लैब को चालू कर दिया गया। मरीजों के सैंपल देने, यूरिन सैंपल घर से लाने के अलावा अन्य संसाधनों से यह विंग लैस है। अब इस पैथोलॉजी में मरीजों की भीड़ नहीं लगेगी। प्रतिदिन ब्लड जांच के लिए मरीजों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी। जिसका प्रमुख कारण रहा जगह का अभाव। लेकिन अब यह समस्या खत्म हो गई। इस विंग में कई जांचें भी बढ़ाई जा रही हैं।

पूर्व में सीबीसी, यूरिक एसिड, लीवर से जुड़े एसजीओटी, एसजीओपीआई, डी डायमर जैसे टेस्ट किए जाते रहे। वहीं बायो कैमेस्ट्री एनाइजर से 32 तरह की जांच होगी। सिसमेक्स मशीन से खून से जुड़ी एवं यूरिन एनाइजर से पेशाब से जुड़ी सभी जांचें होंगी। इस सेंट्रलाइज्ड लैब को पीओसीटी साइंस हाउस प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा संचालित किया जा रहा है। जांच कराने वाले मरीजों के हित को ध्यान में रखते हुए यहां पर बेहतर सुविधा मुहैया कराई जाएगी। अब मरीजों को एक ही छत के नीचे सभी जांच मिल जाएगी। कुछ और जांच भी बढ़ाया जाएगा।

## क्षेत्र के विकास के लिए जारी रहेगा प्रयास

संवाददाता–संतकबीरनगर। ६ नगर तहसील क्षेत्र के मुखलिसपुर में शनिवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार की योजनाओं को बताने के साथ–साथ क्षेत्र के विकास पर चर्चा करते हुए पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नीलमणि ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। नगर पंचायत को आदर्श नगर पंचायत बनवाने के साथ सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाना ही उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि नया वर्ष सभी के लिए खुशियां प्रदान करें। जिससे क्षेत्र का विकास करना आसान हो। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का आइना होता है। उसके सम्मान में हमें कोई कोताही नहीं करनी चाहिए।

## जमीनी विवाद में लिप्त पुलिसकर्मियों पर होगी सख्त कारवाई, राजस्वकर्मी बिना सुरक्षा न जाएं -डीएम

संवाददाता–गोरखपुर। सदर तहसील सभागार में जमीनी विवाद के अधिकतर मामले आए जो बार–बार फरियादी एक ही समस्या को लेकर तहसील दिवस में आते हैं जिनका न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है। जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश ने कहा कि जब न्यायालय से आपका मुकदमा निस्तारित हो जाए तब आप अपने प्रार्थना पत्र को लेकर आए उसे तत्काल निस्तारित कर दिया जायेगा।

डीएम ने कहा कि हर फरियादियों की समस्याओं का निस्तारण एक हफ्ते के अंदर किया जाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर ने कहा कि जमीनी विवाद संबंधित मामलों में राजस्व कर्मचारी मौके पर पुलिसकर्मियों को लेकर जाएं और उसे वहां निस्तारित करने का कार्य करें।

एसएसपी ने सख्त निर्देश दिया कि कोई भी पुलिसकर्मी जमीन विवाद में लिप्त न हो। किसी को बेवजह परेशान करने का कार्य न किया जाए अगर ऐसी शिकायत मिलती है तो संबंधित पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में प्रमुख रूप से जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर, सीडीओ संजय कुमार मीना, ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी, सीएमओ आशुतोष दुबे, सदर तहसीलदार ध्रुवेश कुमार सिंह, सदर तहसीलदार न्यायिक विकास कुमार सहित समस्त नायब तहसीलदार व जिला स्तरीय समस्त अधिकारी मौजूद रहे।

## प्रो. जितेंद्र मिश्र बने विधि संकाय के अध्यक्ष व अधिष्ठाता

संवाददाता–गोरखपुर। वरिष्ठ आचार्य प्रो. जितेंद्र मिश्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता बन गए हैं। उन्होंने शनिवार प्रो. अहमद नसीम से कार्यभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. नसीम का चक्रानुक्रम में तीन साल का कार्यकाल तीन जनवरी को पूरा हो गया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रो. मिश्र ने अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। कार्यभार ग्रहण करने पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रति कुलपति प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो. रजनीकांत पांडेय, प्रो. अनुभूति दुबे, प्रो. विनोद सिंह, प्रो. श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, प्रो. मनोज तिवारी, प्रो. प्रत्यूष दुबे, प्रो. श्रीवर्धन पाठक आदि ने बधाई दी हैं।

## डिजिटल अरेस्ट से सभी को सतर्क रहने की है जरूरत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद न्यायाधीश महेंद्र प्रसाद चौधरी के निर्देशन में शनिवार को कोतवाली खलीलाबाद थाना परिसर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला जज महेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान परिवेश में डिजिटल अरेस्ट से सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई विधिक शब्दावली नहीं है। इन शब्दों का प्रयोग आनलाइन धोखाधड़ी करने वाले लोगों के लिए किया जाता है। कोई भी सरकारी एजेंसी या पुलिस विभाग किसी को वीडियो कॉल करके अरेस्ट नहीं करती है। लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने गिरफ्तारी करने के विभिन्न तरीके के बारे में बताते हुए गलत ढंग से गिरफ्तार करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने के विभिन्न प्रावधानों को बताया। डिप्टी लीगल एड काउंसिल संजीव कुमार पांडेय ने नए कानूनों के प्रावधानों के बारे में चर्चा की।

# 44 लाख रुपया हड़पने के आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला मुख्यालय स्थित कूंड़ी लाल रूंगटा सरस्वती विद्या मंदिर का रुपया हड़पने के आरोपी कार्यालय प्रमुख का जमानत प्रार्थना पत्र अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश रमेश दूबे की कोर्ट ने निरस्त कर दिया। आरोपी अम्बुज कुमार सिंह पर विद्यालय का शिक्षण शुल्क समेत अन्य मद का विभिन्न तिथियों में 44 लाख 69 हजार 474 रुपए हड़प लेने का आरोप लगाया है। आरोपी ने विद्यालय के अतिथि कक्ष को अंदर से बंद करके हाथ की नस काट कर फर्जी मुकदमे में फंसाने का षडयंत्र किया था।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विवेक प्रताप सिंह ने बताया कि प्रकरण में धर्मेन्द्र कुमार पुत्र ध्रुवचन्द निवासी बरदहिया बाजार कोतवाली खलीलाबाद ने अभियोग पंजीकृत कराया है। उनका आरोप था कि वह कूंड़ीलाल रूंगटा सरस्वती विद्या मंदिर का प्रबंधक है। विद्यालय में कार्यालय सहायक का पद रिक्त होने पर अम्बुज कुमार सिंह पुत्र अतुल कुमार सिंह दुर्गापुरी कालोनी सन्तीन पुरवा बिसवां जनपद सीतापुर की नियुक्ति सितम्बर 2020 में हुई थी। बाद में पदोन्नति करके अम्बुज कुमार सिंह कार्यालय प्रमुख हो गए थे। वर्ष 2024 में विद्यालय की आर्थिक स्थिति दयनीय होने पर प्रबंधतंत्र ने विशेषज्ञों की टीम से जांच कराया। टीम ने दिनांक 4 मार्च 2024 को दिए जांच रिपोर्ट में अम्बुज कुमार सिंह को आर्थिक अनियमितता का दोषी पाया। वर्ष 2023 में शिक्षण शुल्क व अन्य प्राप्तियों का कुल 6 नराशि 44 लाख 69 हजार 474 रुपए विभिन्न तिथियों में अपने खाते में जमा कर लिया। आरोपी ने फर्जी मुकदमे में फंसाने की नीयत से विद्यालय के अतिथि कक्ष में घुसकर दरवाजा बंद करके अपने हाथ की नस काट लिया था। किसी तरह से दरवाजा तोड़कर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने अभियोग पंजीकृत किया। आरोपी अम्बुज कुमार सिंह के जमानत प्रार्थना पत्र का सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विवेक प्रताप सिंह ने विरोध किया। अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश रमेश दूबे की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम मिलन उर्फ भुल्लुर प्रसाद पुत्र रंगई ग्राम– मरौटी पाण्डेय पोस्ट– विशेषरगंज –थाना दुबौलिया, तहसील हर्रैया जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। कुछ अभिलेखों में मेरा नाम राम मिलन और कुछ में भुल्लुर प्रसाद लिखा है। दोनों नाम मेरे हैं। मुझे राम मिलन उर्फ भुल्लुर प्रसाद के नाम से जाना व पहचाना जाय।

## वाइल्डलाइफ और एनवायरनमेंट पर फिल्मोत्सव 10 से

संवाददाता–गोरखपुर। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में तीन दिवसीय वाइल्ड लाइफ, एनवायरनमेंट एवं इको टूरिज्म आधारित फिल्मोत्सव 10, 11 और 12 जनवरी को आयोजित होगा। फिल्मोत्सव में प्रदर्शित होने वाली फिल्में जैक्सन वाइल्ड 2024 लिगेसी अवार्ड से सम्मानित हरिगोविंद पाण्डेय ने उपलब्ध कराई हैं। यह जानकारी चिड़ियाघर के निदेशक विकास यादव और हेरिटेज फाउंडेशन की संरक्षिका डॉ. अनिता अग्रवाल ने दी। बताया कि 10 से 12 जनवरी को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं संस्कृति केंद्र में फिल्मोत्सव का आयोजन दोपहर 12 से दो बजे तक होगा। फिल्मोत्सव में सभी वर्गों के लिए प्रवेश निशुल्क है। लोगों में वन, पर्यावरण एवं वन्यजीव के संरक्षण के प्रति ध्यान आकृष्ट करने के लिए ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता भी निशुल्क होगी। प्रतियोगिता का लिंक हेरिटेज फाउंडेशन की वेबसाइट पर उपलब्ध है। क्विज में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को फिल्मोत्सव के दौरान ही प्रमाण पत्र मिलेगा।

# महाकुंभ के लिए चलेंगी शटल बसें और ट्रेनें

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या की 40 बसें संगमनगरी (प्रयागराज) में शटल सेवा के तहत चलाई जाएंगी। अयोध्या परिक्षेत्र के विभिन्न डिपो की बसों को शटल सेवा के तहत चलाने के लिए आवंटित कर दिया गया है। सभी बसें 10 जनवरी को प्रयागराज के लिए रवाना हो जाएंगी और बसों को संचालन मेलाधिकारी सुनिश्चित कराएंगे। बसों के मुसाफिरों की सुविधा का खास ख्याल रखा जाएगा। परिवहन निगम अयोध्या परिक्षेत्र की 40 शटल बसों को महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चलाने की तैयारी हो चुकी है। अयोध्या रीजन के अयोध्या डिपो की 22, सुल्तानपुर डिपो की 11, अकबरपुर डिपो की चार एवं अमेठी डिपो की तीन बसें संचालन के लिए 10 जनवरी को रवाना कर दी जाएंगी। शटल बसें निर्धारित रूट पर मेलाधिकारी की निगरानी में संचालित कराई जाएंगी। शटल बसों पर महाकुंभ 2025 स्लोगन लिखा स्टिकर लगाया गया है और भगवा रंग में रंग दी गई हैं। इसके अलावा बसों के चालक और परिचालकों को नेम प्लेट लगी वर्दी पहनेंगे। यात्रियों से किसी प्रकार के दुर्व्यवहार न करने की हिदायत भी दी जा चुकी है। चालक व परिचालक का नाम व मोबाइल नंबर संबंधित बस पर अंकित रहेगा और बसों की साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ– 2025 में आस्था की डुबकी लगाने के लिए लाखों श्रद्धालुओं के रामनगरी से जाने की उम्मीद है। इसके लिए अयोध्या से प्रयागराज तक रेलवे ने विशेष ट्रेन चलाने का खाका तैयार किया है और अयोध्या से प्रयागराज के लिए जाने वाली ट्रेन का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। प्रतिदिन एक–एक विशेष ट्रेन अयोध्या धाम एवं अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन से चलेगी। ये ट्रेनें 12, 13, 27, 28 जनवरी और दो, 11 व 25 फरवरी को चलाई जाएंगी। इसमें प्रयागराज और अयोध्या के प्रमुख स्नान पर्व शामिल हैं। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के श्रद्धालुओं के सफर को सुगम बनाने के लिए रोडवेज अयोध्या परिक्षेत्र के आरएम विमल राजन ने मातहतों के साथ मंथन किया। क्षेत्रीय कार्यालय में एआरएम वित्त अजय सिन्हा की मौजूदगी में दर्जनभर से अधिक कार्यालय सहायकों के साथ बैठक हुई। इसमें कंट्रोल रूम में तैनात किए जाने वाले कर्मियों को कर्तव्य बोध का पाठ पढ़ाया गया। आरएम ने बताया कि अयोध्या धाम बस स्टेशन पर बसों की लोकेशन की जानकारी के लिए कंट्रोल रूम बनेगा और बसों की वास्तविक लोकेशन की वीएलटीडी के जरिए जानकारी मिल सकेगी। कर्मियों को वीएलटीडी का डेमो के जरिए जानकारी दी गई।

## अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 358/2024
सीता देवी –सायल
1. सीता देवी उम्र करीब 40 वर्ष पत्नी राजगुरु ग्राम अमारी बाजार तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 08–01–2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 08–01–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 473/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
चुन्नूलाल
बनाम
जयश्री आदि
1. जयश्री उम्र लगभग 72 वर्ष 2. धनई उम्र लगभग 70 वर्ष 3. मोतीलाल उम्र लगभग 68 वर्ष 4. मोहन लाल उम्र लगभग 66 वर्ष 5. बृजलाल उम्र लगभग 64 वर्ष पुत्रगण स्व0 गूदर निवासीगण साकिन असनहरा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 31–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 446/2021
न्यायालय–श्रीमान सप्तम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामेश कुमार आदि
बनाम
ओम प्रकाश आदि
1. ओम प्रकाश आयु लगभग 35 साल पुत्र सालिकराम 2. रामउग्रह आयु लगभग 40साल पुत्र भगौती साकिनान ग्राम छितहा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 11–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–585/1994
भगाने आदि
बनाम
रामबेलास आदि
1. रामरती पत्नी रामसकल 2. गुलाबी देवी पत्नी रामबेलास 3. प्रदुम्ननाथ पुत्र रामश्बद साकिनान मौजा डड़वा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 10–01–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com